21.07.2020 बी० ए० B.A. Part - I
Economics(H) - Paper - I
"Consumer Surplus"

DR. BIPIN KUMAR
Professor, Economics Deptt.
R.R.S. College, Mokama.
P.P.U. Patna.

Q "What is "Consumer Surplus"? Discuss its Assumptions and its measurements. Discuss about surplus and "Producers surplus".

Ans: प्रो० अल्फ्रेड मार्शल के अनुसार 'उपभोक्ता अधिशेष' (Consumer Surplus) से तात्पर्य राशि या उपयोगिता के बीच का अन्तर जो उपभोक्ता भुगतान करने में सक्षम है और वास्तव में भुगतान की गयी राशि। माँग वक्र, क्षैतिज रेखा, बाजार मूल्य को दर्शाता है और लंबवत् धुरी (क्षैतिज)। यह एक मूल्य है जो उपभोक्ता की राशि भी मापता है या मौद्रिक रूप में संतुष्टि स्तर को व्यक्त करता है और इसे कल्याण सिद्धांत में निर्माता अधिशेष के साथ एक महत्त्वपूर्ण अवधारणा के रूप में माना जाता है।

'प्रो० मार्शल' के अनुसार, "किसी वस्तु के उपभोग से वंचित होने की अपेक्षा एक उपभोक्ता जो कीमत उस वस्तु के लिए देने के लिए तैयार (तत्पर) रहता है तथा जो कीमत वह वास्तव में चुकाता है उसका अन्तर ही संतुष्टि की बचत का आर्थिक माप है जो "उपभोक्ता बचत" "Consumer Surplus" कहलाता है।"

'प्रो० टॉसिंग' ने 'उपभोक्ता बचत की परिभाषा इस प्रकार की है, "उपभोक्ता की बचत कुल उपयोगिता और कुल विनिमय मूल्यों को मापने वाली राशियों का अन्तर है।"

'प्रो० जे. के. मेहता' के अनुसार, "किसी वस्तु के उपभोग से प्राप्त संतुष्टि तथा उस वस्तु को प्राप्त करने के लिए त्याग के अन्तर को ही उपभोक्ता की बचत कहा जाता है।"

'प्रो० बेन' की परिभाषा के अनुसार, "उपभोक्ता को उसकी खरीद से प्राप्त होने वाला अतिरिक्त सन्तोष उपभोक्ता की बचत कहलाता है।"

उपभोक्ता की बचत निम्नलिखित प्रमुख मान्यताओं पर आधारित है:

① उपयोगिता को मुद्रा रूपी पैमाना से मापा जा सकता है।
② किसी वस्तु की उपयोगिता केवल उस वस्तु की पूर्ति पर निर्भर है -- कोई भी वस्तु अन्य वस्तुओं की पूर्ति से प्रभावित नहीं होगा।
③ द्रव्य की सीमान्त उपयोगिता स्थिर रहती है वस्तु को खरीदने पर उसके मूल्य में परिवर्तन नहीं होता है।
④ अन्य सभी बातें समान (यथास्थिति) रहना चाहिए।
⑤ उपभोक्ता पर 'सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम' क्रियाशील होगा।
⑥ उपभोक्ता को प्रदर्शन प्रभाव प्रभावित नहीं करता है।
⑦ स्थानापन्न वस्तु नहीं होनी चाहिए अगर होगी तो उन्हें एक मान लेना चाहिए। उपभोक्ता अधिशेष (Consumer Surplus) अवलोकन से

P. 2

तात्पर्य है कि किसी चीज को खरीदते समय, एक उपभोक्ता एक निर्धारित (निश्चित) राशि देने के लिए तैयार रहता है और वास्तविक भुगतान वह एक दूसरी (अन्य) या बदली हुई राशि का भुगतान करता है। इन दोनों के अन्तर को 'उपभोक्ता बचत' (consumer surplus) कहा जाता है।

इसे इस उदाहरण के द्वारा स्पष्ट किया गया है, मान लीजिए कि कोई व्यक्ति बाजार में एक रेडियो खरीदना चाहता है और इसके लिए वह 200 रु० भुगतान करने को तैयार है, लेकिन दुकान में उस रेडियो की कीमत उसे 150 रु० बतलाया जाता है। अत: उदाहरण से यह स्पष्ट है कि व्यक्ति को दोनों राशि के बीच 50 रु० की 'उपभोक्ता बचत' (अधिशेष) प्राप्त होती है।

मांग वक्र और उपभोक्ता अधिशेष: कोई एक मांग वक्र बाजार में सभी उपभोक्ताओं के खर्च करने की इच्छा का प्रतिनिधित्व करता है। कुल उपभोक्ता अधिशेष मांग वक्र के नीचे और मूल्य से ऊपर का क्षेत्र है जो निम्नलिखित रेखाचित्र संख्या-1, से स्पष्ट है:

रेखाचित्र सं.-1.

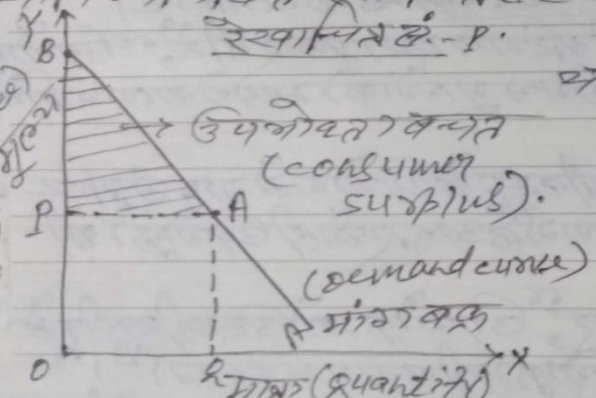

(मांग वक्र द्वारा उपभोक्ता अधिशेष का प्रतिनिधित्व)

जहाँ,
OX = मांग अक्ष
OY = कीमत (मूल्य) अक्ष
DD = मांग वक्र
ABP = उपभोक्ता अधिशेष
AB = मांग वक्र

उपभोक्ता अधिशेष पर कीमत का प्रभाव: उपभोक्ता बचत (अधिशेष) पर कीमत प्रभाव सीधा पड़ता है। यहाँ दो परिस्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं, पहली स्थिति 'कीमत में वृद्धि' और दूसरी स्थिति 'कीमत में कमी'। जब कीमत की मात्रा में वृद्धि होती है तब 'उपभोक्ता बचत' कम हो जाती है और जब कीमत कम हो जाती है तब 'उपभोक्ता बचत' बढ़ जाती है। इस प्रकार, कीमत और उपभोक्ता बचत के बीच एक प्रतिकूल सम्बन्ध उत्पन्न होता है, इसे रेखाचित्र संख्या-2 की सहायता से दर्शाने का प्रयास किया गया है:

JUNE 2020
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21
22 23 24 25 26 27 28 29 30
M T W T F S S M T W T F S S M T W T F S S
09
MAY - SATURDAY
Appointments
130-236 • WK-19

रेखाचित्र संख्या-2 :

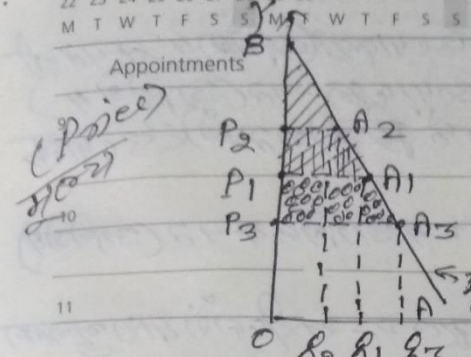

जहाँ, OX = मात्रा क्षितिज।
OY = मूल्य (कीमत) क्षितिज।
AB = मांग वक्र।
($\triangle P_1A_1B$) = उपभोक्ता बचत क्षेत्र (i)।
($\triangle P_2A_2B$) = उपभोक्ता बचत क्षेत्र (ii)।
($\triangle P_3A_3B$) = उपभोक्ता बचत क्षेत्र (iii)।

(उपभोक्ता बचत (अधिशेष) पर कीमत प्रभाव का प्रतिनिधित्व)।

अब हम आपूर्ति वक्र और उत्पादक बचत की चर्चा चित्र करेंगे जिसे रेखाचित्र संख्या-3, में दिखाया गया है:

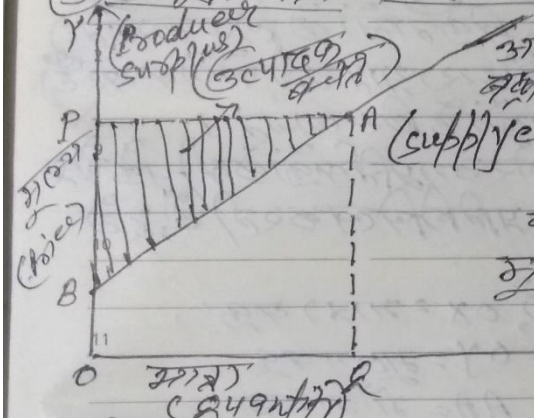

(3) आपूर्ति वक्र और उत्पादक बचत : रेखाचित्र संख्या-3

रेखाचित्र संख्या-3, में एक आपूर्ति वक्र बाजार में किसी (कोई) वस्तु उपलब्ध करने में प्रत्येक उत्पादक की सीमांत लागत का प्रतिनिधित्व करता है। यहाँ कुल उत्पादक बचत मूल्य से नीचे और आपूर्ति वक्र के ऊपर का क्षेत्र इंगित है। जहाँ,
OX = मात्रा क्षितिज, (ABP = उत्पादक बचत)।
OY = मूल्य क्षितिज, (AB = आपूर्ति वक्र)।

10 SUNDAY

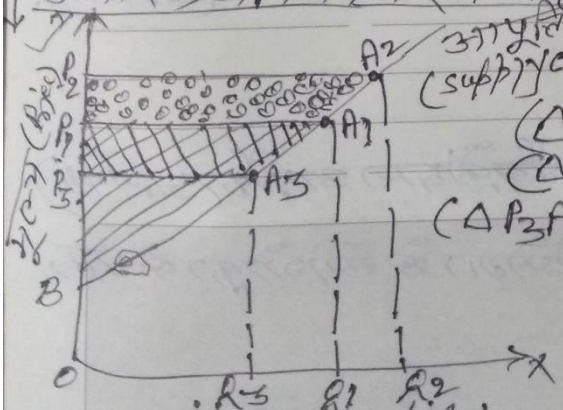

रेखाचित्र सं.-4

अब हम उत्पाद अधिशेष पर कीमत के प्रभाव की बात करेंगे। उत्पादक अधिशेष पर कीमत का प्रभाव जो रेखाचित्र सं. 4 में दिखाया गया है:

जहाँ, OX = मात्रा क्षितिज, AB = आपूर्ति वक्र
OY = कीमत क्षितिज

($\triangle P_1A_1B$) क्षेत्र = उत्पादक (अधिशेष) बचत - (i)
($\triangle P_2A_2B$) क्षेत्र = उत्पादक (अधिशेष) बचत - (ii)
($\triangle P_3A_3B$) क्षेत्र = उत्पादक (अधिशेष) बचत - (iii)

रेखाचित्र संख्या-4 से यह स्पष्ट है कि उपभोक्ता बचत की तरह ही उत्पादक बचत (अधिशेष) पर भी कीमत का असर देखा होता है। यहाँ भी दो स्थितियाँ होती हैं, प्रथम स्थिति में कीमत में वृद्धि एवं दूसरी स्थिति में, कीमत में कमी।

(उत्पादक बचत पर कीमत का प्रभाव का प्रतिनिधित्व)

अर्थात जब कीमत में वृद्धि होती है तब उत्पादक (अधिशेष) बचत भी बढ़ जाती है और जब कीमत कम हो जाती है तब उत्पादक बचत (अधिशेष) भी कम हो जाती है। इस प्रकार हम यह देखते हैं कि कीमत और उत्पादक बचत के बीच सीधा संबंध स्थापित होता है।

अब हम आर्थिक बचत (अधिशेष) के सूत्र और प्रतिबिंब की व्याख्या करेंगे।

उपभोक्ता बचत (अधिशेष) = खरीददारों के लिए मूल्य − खरीददारों द्वारा भुगतान की गयी राशि।

निर्माता बचत (अधिशेष) = उत्पादकों द्वारा प्राप्त राशि − उत्पादकों के लिए लागत।

आर्थिक बचत (अधिशेष) = उपभोक्ता अधिशेष + निर्माता अधिशेष = (खरीददारों के लिए मूल्य − खरीददारों द्वारा भुगतान की गई राशि) + (राशि विक्रेताओं द्वारा प्राप्त − विक्रेताओं के लिए लागत)

अब खरीददारों द्वारा भुगतान राशि और विक्रेताओं द्वारा प्राप्त राशि, दोनों बराबर हैं। इसलिए आर्थिक अधिशेष = खरीददारों के लिए − विक्रेताओं के लिए लागत।

माँग और आपूर्ति वक्र के ग्राफ में, माँग और आपूर्ति वक्रों के बीच के क्षेत्र (माँगी गयी मात्रा तक) आर्थिक बचत (अधिशेष) का प्रतिबिंब करती है, इसे रेखाचित्र सं.-5 में दर्शाया गया है।

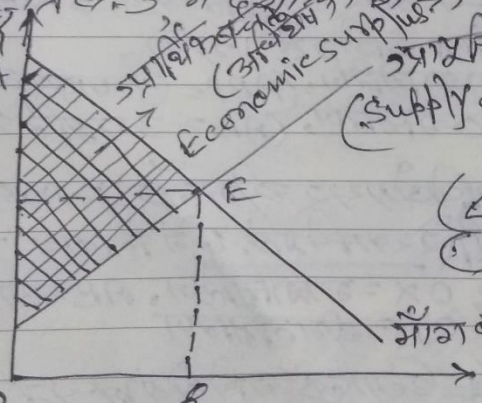

यहाँ, OX = मात्रा वक्र।
OY = मूल्य वक्र।
AA = माँग वक्र।
(△APE) क्षेत्र = उपभोक्ता बचत (अधिशेष)
(△BPE) क्षेत्र = उत्पादक बचत (अधिशेष)

मात्रा (Quantity) (माँग और आपूर्ति वक्रों द्वारा आर्थिक (अधिशेष) ~~बचत~~ बचत का प्रतिबिंब।

उपरोक्त विश्लेषण से उपभोक्ता बचत, मान्यता एवं माप का वर्णन हो जाता है।

=